२००७-२००८

उत्तरमध्यमा परीक्षा

द्वितीय खण्ड, द्वितीय अधिसत्र

विषय- अनिवार्य संस्कृत, द्वितीय पत्र

समय- ३½ घण्टा | सम्पूर्णांक-५०

१. किन्हीं छ: प्रश्नों का समाधान कीजिए। 'अ' से ४ तथा 'ब' से २ का उत्तर अनिवार्य है। 4+2=6

(अ)
(क) काक और राजहंस में क्या अन्तर है?
(ख) 'युक्ताहारविहार' का क्या अभिप्राय है?
(ग) द्रोणपुत्र: श्रीकृष्णात् किं वाञ्छति स्म?
(घ) क: प्रथमो धर्म:?
(ङ.) प्रच्छन्नभाग्य की पत्नी कैसी थी?
(च) 'मोपीन' त्योहार कहाँ का है और कैसा होता है?

(ब)
(क) "अपायदु:खै: संमूढ:" का क्या अर्थ है?
(ख) हितभूमि से नरक को कौन चला जाता है?
(ग) कौन विवक शून्य बना देता है?
(घ) शान्तिदेव किसके शिष्य थे?

२. किसी एक अंश का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 4

अ. पश्यतु भवान्। कोऽयम् अनर्थ: क्रियते एताभ्यां वीराभ्याम्। समन्ताद् वर्धमाना: प्रचण्डानलशिखा: आकाशं लिहन्ति इव। गगनात् सहस्रश: उल्का: भूमौ पतन्ति। कम्पते खलु सपर्वतवनद्रुमा सकला मही। पवन: स्तब्ध: जात: सहस्रांशु: न भासते । शैला: विदीर्यन्ते।

ब. काकस्य गात्रं यदि काञ्चनस्य
माणिक्यरत्नं यदि चञ्चुदेशे।
एकैकपक्षे ग्रथितं मणीनां
तथापि काको न तु राजहंस:।।

.......२

३. किसी एक पाठ का सारांश लिखिए। 4

अ. राष्ट्रं संरक्ष्यमेव हि
ब. साधुवृत्तिं समाचरेत्

४. किन्हीं चार में निर्दिष्ट शब्दों की सहायता से रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए। 4

(१) ब्रह्मपुत्रनाम्न्याः------------ (नदी/नद्याः/नद्याम्)
(२) जगतः आयुः प्रमाणम्-अहम्----- (जानासि/गणयामि/जानन्ति)
(३) इदमस्त्रं------------मानुषेषु (पठनीयः/द्रष्टव्या/प्रयोक्तव्यम्)
(४) कथमपि-----------निवारणीयौ (सा ताः एतौ)
(५) पुरा------------त्वमेव पाण्डवान् रक्षितवान् (लङ्कायां/चोले/वारणावते)

५. किन्हीं चार में सन्धि-विच्छेद कीजिए। 2

गुरूपदेशेन। सुप्तोत्थितः। नैतदस्त्रम्।
नाभिवर्षीति। एतन्महाभुजः। यस्यास्ति।

६. नीचे दिये गये शब्दों से किन्हीं चार से संस्कृत में वाक्यों का निर्माण कीजिए। 4

कुत्र, पर्जन्यः, महाकाव्यम्, सौन्दर्यमयी,
धिक्, मिलित्वा।

७. किन्हीं चार वाक्यों में रेखांकित पदों को शुद्ध कीजिए। 4

(१) परित्यज्य फलस्य पक्वम्।
(२) प्रभूतं सुखानि सन्ति।
(३) भवान् रक्षेयुः सदाचारम्।
(४) अहं सत्यं वदसि।
(५) होली सदृशम् अयं पर्व।

८. **'बोधिचित्ताप्रमाद'** पाठ का सारांश अपने पठित अंश के आधार पर लिखिए। 8

अथवा

निम्नांकित पद्यों का भावार्थ लिखिए।

चिरं धक्ष्यति मे कायं नारकाग्निः सुदुःसहः।
पश्चात्तापानलश्चित्तं चिरं धक्ष्यत्यशिक्षितम्।।
मच्चित्तावस्थिता एव घ्नन्ति मामेव सुस्थिताः।
तत्राप्यहं न कुप्यामि धिगस्थानसहिष्णुताम्।।

९. बोधिचर्यावतार के निम्नांकित ४ पदों में सन्धि-विच्छेद कीजिए। 4

नाभ्यस्तम्। कालोपचितात्। वेदयन्नेव। यदीदृशम्
सर्वान्यशत्रूणाम्। अनाद्यन्तम्। जानन्नपि।

१०. पॉच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- 10

(१) राम संस्कृत पढ़ता है।
(२) दशरथ के चार पुत्र थे।
(३) सारनाथ में अनेक बौद्ध मन्दिर हैं।
(४) कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था।
(५) नदियों में गड्.गा श्रेष्ठ है।
(६) काली गाय बहुत दूध देती है।
(७) पृथ्वी पर सात द्वीप हैं।
(८) बुद्ध को नमस्कार करो।